वृन्दावन धाम पुनीत परम

वृन्दावन-धाम पुनीत परम, इसकी महिमा का क्या कहना,
श्रीश्यामा-श्याम जहाँ बसते, उस पुण्य-धरा का क्या कहना,
वृन्दावन-धाम पुनीत परम, इसकी महिमा का क्या कहना,
श्रीश्यामा-श्याम जहाँ बसते, उस पुण्य-धरा का क्या कहना,
वृन्दावन-धाम पुनीत परम....

श्रीकृष्ण जहाँ यमुना-तट पर, वृषभानु-सुता संग केलि करें,
अभिसिक्त प्रेम-रस श्यामा के, श्रीकृष्ण-धाम का क्या कहना,
वृन्दावन-धाम पुनीत परम, इसकी महिमा का क्या कहना,
श्रीश्यामा-श्याम जहाँ बसते, उस पुण्य-धरा का क्या कहना,
वृन्दावन-धाम पुनीत परम....

आवाज जहाँ मथने की दही, नित निद्रा प्रातः दूर करे,
होते दर्शन श्री-अंगों के, गोपीजन श्याम का क्या कहना,
वृन्दावन-धाम पुनीत परम, इसकी महिमा का क्या कहना,
श्रीश्यामा-श्याम जहाँ बसते, उस पुण्य-धरा का क्या कहना,
वृन्दावन-धाम पुनीत परम.....

वृषभानु-नन्दनी श्रीराधा, श्रीश्याम को मैं नित नमन करूँ,
हे युगल-स्वरूप शरण तेरी, तूँ जान तुझे जो भी करना,
वृन्दावन-धाम पुनीत परम, इसकी महिमा का क्या कहना,
श्रीश्यामा-श्याम जहाँ बसते, उस पुण्य-धरा का क्या कहना,
वृन्दावन-धाम पुनीत परम.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28323/title/vrindavan-dhaam-puneet-parm

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |